No. of Printed Pages : 14

MTT–031

POST GRADUATE CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

June, 2025

MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF TRANSLATION AND ADAPTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any* ***three*** *questions from question nos.* ***1*** *to* ***6****. Question nos.* ***7*** *and* ***8*** *are compulsory. Answer long answered questions in about* ***700*** *words and short notes in about* ***350*** *words each. All questions carry equal marks.*

1. Discuss translation as a form of linguistic transfer.
2. Discuss the process and importance of Vetting.

3. Describe the various types of translation.
4. Examine the interrelationship between inter-medial translation and adaptation.
5. Discuss the importance of translation in the area of global entertainment.
6. Write a detailed note on the meaning and significance of copyright.
7. Write short notes on any *two* of the following :
   (a) Inter-lingual Translation
   (b) Visibility of Translator
   (c) Literary Adaptation
   (d) Broadcasting Agencies and License of Translation
8. (a) Translate any *one* of the following passages into Hindi :
      (i) A very good-looking boy was walking up the front path. He was dressed in jersey and shorts, and his dark curly hair was thick and unruly. He had bright, cheeky eyes and a smile that won Pat's heart at once.

'Good morning', he said to Mrs. MacKenzie when she came to the door. 'I expect you have seen us moving in next door–my mum and I. Mum says she hates to bother you, but could you possibly lend us a pot of tea ? Our kettle has completely disappeared.' 'Well, I was just going to ask if you'd like a pot,' said Mrs. MacKenzie. 'I'll lend you a kettle to, with pleasure. Come in and wait a minute and I'll make you some tea and you can take it back with you.' The boy came in. He grinned at the twins and Pat. 'Hello ! You're our neighbors, aren't you ? Does anything exciting go on in this town ? I lived in Croydon before, and there was always something going on there. I belong to a great gang.'

(ii) At the outset, let me make it clear to the readers that I am no hero, either in fiction or in reality. I have never used a gun in my life, except on the shooting range at school, where I usually missed the target by several feet. Although, I grew up in an age when hunting wild animals was a pastime that was supposed to prove one's manhood, I developed an early aversion to the so-called 'sport of kings' if my cousins and their friends called me a coward, I wasn't really bothered. The extent of their bravery seemed to depend largely on the size of guns they held. All the same, at age 12, I was persuaded by one of my uncles to accompany him and his friends on a weekend's hunt in the forest near Dehra, a small north Indian town where my grandparents had settled.

(b) Translate any *one* of the following passages into English :

(i) गर्मी के दिन थे। ओलेंका अपने मकान के पिछले दरवाजे पर बैठी थी। यद्यपि उसे मक्खियाँ बहुत सता रही थीं, फिर भी यह सोचकर कि शाम बहुत जल्दी होने वाली है, वह बड़ी प्रसन्न हो रही थी। पूर्व की ओर घने काले बादल इकट्ठे हो रहे थे।

कुकीन, जो ओलेंका के मकान में ही एक किराये का कमरा लेकर रहता था, बाहर खड़ा आकाश की ओर देख रहा था। वह "ट्रिवोली नाटक कंपनी" का मैनेजर था। "रोज़-रोज़ पानी, रोज़-रोज़ पानी! नाक में दम हो गया।" फिर ओलेंका की ओर मुड़कर बोला, "मेरी जिंदगी कितनी बुरी है! बिना खाये-पीये रातभर परिश्रम करता हूँ, ताकि नाटक में जरा-सी गलती न निकले। सोचते-सोचते मर जाता हूँ पर जानती हो फल क्या होता है ? इतने ऊँचे दर्जे की चीज भी कोई भी नहीं समझ पाता। जनता बेवकूफी की

बातों को, दौड़-धूप को बहुत पसंद करती है और फिर मौसम का यह हाल है! देखो न, रोज शाम को पानी बरसने लगता है। मई की दस तारीख से पानी शुरू हुआ और जून-भर रहा। जो पहले आते भी थे, अब पानी के मारे नहीं आते। अभिनेताओं को देने के लिए रुपया कहाँ से लाऊँ, कुछ समझ नहीं आता।"

(ii) विसम्भर को लगा था कि रामसजीवन को समझाकर बात खत्म हो गई। पर आज का दिन तो कुछ और ही लेकर आया था। उसकी नाव अभी किनारे लगी भी न थी कि ठेकेदार रामन्ना के आदमी उसे हाथ हिलाकर आगे जाने को कहने लगे। अभी कोई कुछ समझ पाता और नाव किनारा छू पाती कि उन्होंने लम्बे बाँसों से नावों को आगे ले जाने के लिए ठेलना शुरू कर दिया।

नाव में बैठी सवारियाँ कभी विसम्भर को, तो कभी उन आदमियों को देखतीं, तभी उन्हीं

सवारियों में से ही एक आदमी बोला, 'आजकल ये सब नया नाटक शुरू किए हैं।' तभी विसम्भर ने भी गुस्से से पूछा, 'का हो दिमाग खराब हो गया है का, सवारी उतारना है, काहे ठेल रहे हो ?'

तब एक चौड़ी छाती वाले ने अपनी बाँह ऐंठते हुए कहा, 'कहाँ रहते हो विसम्भर, इस बार यहाँ का ठेका भी रामन्ना बाबू को मिला है।' विसम्भर ने जब उस आदमी को ध्यान से देखा तो पाया कि स्टीमर से उसकी नाव पर पानी उछालने वाला, उसके टोले का संजय भी उस आदमी के साथ खड़ा बेशर्मी से मुस्करा रहा था।

MTT–031

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र

(पी. जी. सी. ए. आर.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **7** व **8** अनिवार्य हैं। दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग **700** शब्दों में तथा प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी **350** शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. भाषिक अंतरण के रूप में अनुवाद की चर्चा कीजिए।
2. अनुवाद पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं महत्व की चर्चा कीजिए।
3. अनुवाद के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।
4. अंतर-माध्यम अनुवाद एवं रूपांतरण में अंत:संबंध की विवेचना कीजिए।

5. वैश्विक मनोरंजन के क्षेत्र में अनुवाद के महत्व की चर्चा कीजिए।

6. प्रतिलिप्याधिकार के अर्थ और महत्व पर विस्तृत लेख लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) आंतर–भाषिक रूपांतरण

   (ख) अनुवादक की दृश्यता

   (ग) साहित्यिक रूपांतरण

   (घ) प्रसारण प्राधिकरण और अनुवाद का लाइसेंस

8. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

   (i) A very good-looking boy was walking up the front path. He was dressed in jersey and shorts, and his dark curly hair was thick and unruly. He had bright, cheeky eyes and a smile that won Pat's heart at once.

   'Good morning', he said to Mrs. MacKenzie when she came to the

door. 'I expect you have seen us moving in next door–my mum and I. Mum says she hates to bother you, but could you possibly lend us a pot of tea ? Our kettle has completely disappeared.' 'Well, I was just going to ask if you'd like a pot,' said Mrs. MacKenzie. 'I'll lend you a kettle to, with pleasure. Come in and wait a minute and I'll make you some tea and you can take it back with you.' The boy came in. He grinned at the twins and Pat. 'Hello ! You're our neighbors, aren't you ? Does anything exciting go on in this town ? I lived in Croydon before, and there was always something going on there. I belong to a great gang.'

(ii) At the outset, let me make it clear to the readers that I am no hero, either in fiction or in reality. I have

never used a gun in my life, except on the shooting range at school, where I usually missed the target by several feet. Although, I grew up in an age when hunting wild animals was a pastime that was supposed to prove one's manhood, I developed an early aversion to the so-called 'sport of kings' if my cousins and their friends called me a coward, I wasn't really bothered. The extent of their bravery seemed to depend largely on the size of guns they held. All the same, at age 12, I was persuaded by one of my uncles to accompany him and his friends on a weekend's hunt in the forest near Dehra, a small north Indian town where my grandparents had settled.

(ख) अग्रलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

(i) गर्मी के दिन थे। ओलेंका अपने मकान के पिछले दरवाजे पर बैठी थी। यद्यपि उसे मक्खियाँ बहुत सता रही थीं, फिर भी यह सोचकर कि शाम बहुत जल्दी होने वाली है, वह बड़ी प्रसन्न हो रही थी। पूर्व की ओर घने काले बादल इकट्ठे हो रहे थे।

कुकीन, जो ओलेंका के मकान में ही एक किराये का कमरा लेकर रहता था, बाहर खड़ा आकाश की ओर देख रहा था। वह 'ट्रिवोली नाटक कंपनी' का मैनेजर था। "रोज़–रोज़ पानी, रोज–रोज पानी! नाक में दम हो गया।" फिर ओलेंका की ओर मुड़कर बोला, "मेरी जिंदगी कितनी बुरी है! बिना खाये–पीये रातभर परिश्रम करता हूँ, ताकि नाटक में जरा–सी गलती न निकले। सोचते–सोचते मर जाता हूँ पर जानती हो फल क्या होता है ? इतने ऊँचे दर्जे की चीज भी कोई भी नहीं समझ पाता। जनता बेवकूफी की बातों को, दौड़–धूप को बहुत पसंद करती है और फिर मौसम का यह हाल है! देखो न, रोज शाम

को पानी बरसने लगता है। मई की दस तारीख से पानी शुरू हुआ और जून–भर रहा। जो पहले आते भी थे, अब पानी के मारे नहीं आते। अभिनेताओं को देने के लिए रुपया कहाँ से लाऊँ, कुछ समझ नहीं आता।"

(ii) विसम्भर को लगा था कि रामसजीवन को समझाकर बात खत्म हो गई। पर आज का दिन तो कुछ और ही लेकर आया था। उसकी नाव अभी किनारे लगी भी न थी कि ठेकेदार रामन्ना के आदमी उसे हाथ हिलाकर आगे जाने को कहने लगे। अभी कोई कुछ समझ पाता और नाव किनारा छू पाती कि उन्होंने लम्बे बाँसों से नावों को आगे ले जाने के लिए ठेलना शुरू कर दिया।

नाव में बैठी सवारियाँ कभी विसम्भर को, तो कभी उन आदमियों को देखतीं, तभी उन्हीं सवारियों में से ही एक आदमी बोला, 'आजकल ये सब नया नाटक शुरू किए हैं।' तभी विसम्भर

ने भी गुस्से से पूछा, 'का हो दिमाग खराब हो गया है का, सवारी उतारना है, काहे ठेल रहे हो ?'

तब एक चौड़ी छाती वाले ने अपनी बाँह ऐंठते हुए कहा, 'कहाँ रहते हो विसम्भर, इस बार यहाँ का ठेका भी रामन्ना बाबू को मिला है।' विसम्भर ने जब उस आदमी को ध्यान से देखा तो पाया कि स्टीमर से उसकी नाव पर पानी उछालने वाला, उसके टोले का संजय भी उस आदमी के साथ खड़ा बेशर्मी से मुस्करा रहा था।

× × × × ×